चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	12-01-23	4	1-3

कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को संबोधित करते कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज

नई शिक्षा नीति में बेरोजगार युवाओं को उद्यमी बनाने पर फोकस : प्रो. काम्बोज

'कृषि और संबद्ध विज्ञान में उद्यमशीलता की संभावनाएं' विषय पर 3 सप्ताह के कोर्स का शुरू

हिसार, 11 जनवरी (ब्यूरो): नई शिक्षा नीति बेरोजगार युवाओं को उद्यमी बनाने पर खासतौर पर फोकस रहेगा इसके तहत विद्यार्थियों को न केवल शैक्षणिक व अनुसंधान कार्यों के योग्य बनाना है, अपितु उनके कौशल विकास करते हुए उद्यमिता के प्रति उनमें रुचि भी जगानी है इसके लिए शिक्षकों को सफल उद्यमिता के नियम समझने होंगे।

यह विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने विश्वविद्यालय के कॉलेज ऑफ होम साइंस व मानव संसाधन प्रबंध निदेशालय के संयुक्त तत्वावधान में 'कृषि और संबद्ध विज्ञान में उद्यमशीलता की संभावनाएं' विषय पर आयोजित 3 सप्ताह अवधि के रिफ्रेशर कोर्स के उद्घाटन अवसर पर बतौर मुख्यातिथि कहे।

उन्होंने कहा कि उद्यमिता समय की मांग है और भविष्य में भी इस तरह के और पाठ्यक्रम आयोजित करने के लिए संकाय को प्रोत्साहित किया। यह पाठ्यक्रम कृषि और संबद्ध विज्ञान के दायरे में उद्यमशीलता की संभावनाओं का समग्र ज्ञान प्रदान करेगा।

मानव संसाधन प्रबंध निदेशालय की निदेशक डॉ. मंजू मेहता ने अपने स्वागत अभिभाषण में कहा कि उद्यमशीलता कृषि और संबद्ध विज्ञानों में बुनी हुई है और युवा पीढ़ी को अधिक कल्पनाशील, अभिनव, सरल, सक्रिय, अग्रणी और संभावना उन्मुख बनाने की आकांक्षा रखता है। पाठ्यक्रम निदेशक डॉ. संगीता चहल सिंधु ने पाठ्यक्रम के बारे में जानकारी दी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	12-01-23	4	5-8

नई शिक्षा नीति से बेरोजगार युवाओं को उद्यमी बनाने पर फोकस, साइंटिस्ट व टीचर ले सकते हैं हिस्सा

एचएयू में उद्यमी बनाने को 3 हफ्ते का कोर्स शुरू

भास्कर न्यूज | हिसार

एचएयू के कॉलेज ऑफ होम साइंस व मानव संसाधन प्रबंध निदेशालय के संयुक्त तत्वावधान में 'कृषि और संबद्ध विज्ञान में उद्यमशीलता की संभावनाएं' विषय पर तीन सप्ताह का रिफ्रेशर कोर्स बुधवार से शुरू हुआ। कोर्स में वैज्ञानिकों और शिक्षकों को युवाओं को उद्यमी बनाने के लिए ट्रेंड करने की दिशा में प्रशिक्षण दिया जा रहा है। ट्रेनिंग में खास भी वैज्ञानिक और शिक्षक भाग ले सकता है। कोर्स 31 जनवरी तक चलेगा। कोर्स का शुभारंभ करते हुए वीसी प्रो. बीआर काम्बोज ने बताया कि नई शिक्षा नीति बेरोजगार युवाओं को उद्यमी बनाने पर खास फोकस रहेगा। इसके तहत विद्यार्थियों को न केवल शैक्षणिक व अनुसंधान कार्यों के योग्य बनाना है, अपितु उनके कौशल का विकास करते हुए उद्यमिता के प्रति उनमें रुचि भी जगानी है। यह पाठ्यक्रम कृषि और संबद्ध विज्ञान के दायरे में उद्यमशीलता की संभावनाओं का समग्र ज्ञान प्रदान करेगा। पाठ्यक्रम निदेशक डॉ. संगीता चहल सिंधु ने बताया कि वर्तमान पाठ्यक्रम का उद्देश्य प्रतिभागियों को बुनियादी उद्यमशीलता का दृष्टिकोण प्रदान करना है। उन्होंने बताया कि इस 21 दिवसीय पाठ्यक्रम में हकृवि, जीजेयू, लुवास और निफटम सहित विभिन्न विश्वविद्यालयों के वक्ता शामिल होंगे। प्रतिभागियों को वास्तविक उद्यमियों के साथ बातचीत का अवसर मिलेगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि भूमि	12.01.23	12	1-3

बेरोजगार युवाओं को उद्यमी बनाने पर फोकस

■ कृषि और संबद्ध विज्ञान में उद्यमशीलता की संभावनाएं पर तीन सप्ताह का कोर्स शुरू

हिसार। प्रतिभागियों को संबोधित करते विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर. काम्बोज।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

नई शिक्षा नीति बेरोजगार युवाओं को उद्यमी बनाने पर खासतौर पर फोकस रहेगा इसके तहत विद्यार्थियों को न केवल शैक्षणिक व अनुसंधान कार्यों के योग्य बनाना है, अपितु उनके कौशल विकास करते हुए उद्यमिता के प्रति उनमें रूचि भी जगानी है इसके लिए पहले शिक्षकों को सफल उद्यमिता के नियमों को समझना होगा। यह बात हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने विश्वविद्यालय के कॉलेज ऑफ होम साइंस व मानव संसाधन प्रबंध निदेशालय के सयुक्त तत्वाधान में कृषि और संबद्ध विज्ञान में उद्यमशीलता की संभावनाएं पर आयोजित तीन सप्ताह अवधि के रिफ्रेशर कोर्स के उद्घाटन अवसर पर बतौर मुख्यातिथि बोलते हुए कहे।

उन्होंने कहा कि उद्यमिता समय की मांग है और भविष्य में भी इस तरह के और पाठ्यक्रम आयोजित करने के लिए संकाय को प्रोत्साहित किया। यह पाठ्यक्रम कृषि और संबद्ध विज्ञान के दायरे में उद्यमशीलता की संभावनाओं का समग्र ज्ञान प्रदान करेगा। इस मौके पर मानव संसाधन प्रबंध निदेशालय की निदेशक डॉ. मंजू मेहता, पाठ्यक्रम निदेशक डॉ संगीता चहल सिंधु समेत अन्य उपस्थित थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	12.01.23	4	4-5

मोटे अनाज के प्रति किसानों को जागरूक करेंगे एचएयू वैज्ञानिक

किसानों को ऑनलाइन दी जा रही जानकारी

भास्कर न्यूज़ | हिसार

देश के पीएम नरेंद्र मोदी ने हाल ही में मोटे अनाज बढ़ावा देने का आह्वान किया था। हिसार के एचएयू में वैसे तो मोटे अनाज को लेकर कई खाद्य पदार्थों की वैरायटियों पर रिसर्च चल रही है। अब जनवरी से लेकर मई तक एचएयू के वैज्ञानिक पीएम के सपने को साकार करने के उद्देश्य से प्रदेशभर के कृषि विशेषज्ञों और किसानों को मोटा अनाज के प्रति ट्रेंड और जागरूक करेंगे। ऑनलाइन माध्यम से किसानों को मोटे अनाज के बारे में जानकारी भी दी जा रही है। एचएयू के कुलपति प्रोफेसर बीआर काम्बोज का कहना है कि मोटे अनाज से किसान भी अधिक उत्पादन पा सकते हैं। इसमें पानी की भी अधिक आवश्यकता नहीं होती है। मोटे अनाज के बारे में जागरूक और ट्रेंड करने के लिए 12 टीमों का भी अलग से गठन किया गया है। एचएयू की वैज्ञानिक डॉ. उर्वशी नांदल के अनुसार, बाजरा और रागी भारतीय मूल के उच्च पोषण वाले मोटे अनाज हैं। प्रति 100 ग्राम बाजरे में 11.6 ग्राम प्रोटीन, 67.5 ग्राम कार्बोहाइड्रेट, 8 मिलीग्रा. लौह तत्व और 132 मिलीग्राम कैरोटीन होता है। कैरोटीन आंखों को सुरक्षा प्रदान करता है। रागी में कैल्शियम की भरपूर मात्रा होती है।

यह है मोटा अनाज

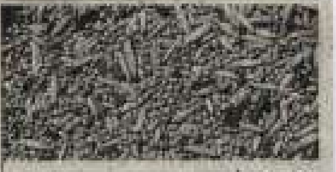

मोटा अनाज वह अनाज है जिनके उत्पादन में ज्यादा मेहनत नहीं करनी पड़ती। यह अनाज कम पानी और कम उपजाऊ भूमि में उग जाते हैं। धान और गेहूं की तुलना में मोटे अनाज के उत्पादन में पानी की खपत भी बहुत कम होती है। बाजरा, ज्वार, रागी जैसे मोटे अनाज में पौष्टिकता की भरमार होती है। इनमें धान के मुकाबले 30 फीसदी कम पानी की जरूरत होती है। ये 10 से लेकर 12 साल बाद भी खाने लायक होता है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	12.01.23	4	1-3

एचएयू के वैज्ञानिकों की किसानों को सलाह

15 के बाद लगाएं बेर, आंवला, आड़ू, अलूचा व नाशपाती के पौधे

पौधों को सर्दी से बचाने के लिए नियमित सिंचाई जरूरी

महबूब अली | हिसार

सदाबहार लगाए गए पौधों की पाले, ठण्डी हवा व कोहरे से क्षति हो सकती है, इसलिए नियमित रूप से सिंचाई करके पौधों को सर्दी में क्षति होने से बचाएं। विशेष तौर पर पाले की संभावना वाले दिन पौधों में सिंचाई अवश्य करें। बागों में शाम के समय घास-फूस जलाकर धुआं भी अवश्य करें। इससे बाग के वातावरण का ताप बढ़ेगा और पौधों की क्षति कम होगी। बेर, आंवला, आड़ू, अलूचा व नाशपाती के पौधे 15 जनवरी के पश्चात लगा सकते हैं। यदि लगाए हुए है तो उनकी देखभाल जरूरी करें। एचएयू के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज का कहना है कि सर्दी में छोटे पौधों की देखभाल की अधिक आवश्यकता होती है। इससे पौधों के विकास व फसल उत्पादन पर प्रभाव पड़ता है।

बागवानी विभाग के सहायक वैज्ञानिक डॉ. सतपाल बलौदा ने बताया कि यदि आम को मिलीबग से बचाने के लिए पिछले महीने में बताए गए तरीके से बैंड न लगाई हो तो तुरंत जनवरी में यह काम कर लें। बैंड के नीचे मिलीबग पर 100 मिली मिथाईल पैराथियान 50 ई.सी. या 300 मि.ली. एकालक्स 25 ई.सी. को 50 लीटर पानी में मिलाकर 50 पेड़ों पर बैंड के नीचे मध्य जनवरी व फिर मध्य फरवरी में छिड़कें। पेड़ों पर मिलीबग चढ़ गई हो तो 500 मि.ली. मिथाईल पैराथियान 50

फलों की फसल का ऐसे करें उत्पादन

नींबू : अगर दिसम्बर में काट-छांट न की गई हो तो इस माह अवश्य कर लें। नींबू जाति के पौधों को सूत्रकृमि से बचाने के लिए जनवरी के आखिरी सप्ताह में कार्बोफ्यूरान के दाने 13 ग्राम प्रति वर्ग मीटर की दर से पौधों के तने के आसपास 9 वर्गमीटर क्षेत्र में (117 ग्राम प्रति पौधा) अच्छी तरह मिलाएं तथा तुरंत बाद प्रचुर मात्रा में पानी दें।

अंगूर: अंगूर के पिछले वर्ष लगाए गए बाग के पौधों का ढांचा बनाने के लिए ठीक ढंग से काट-छांट करें। पुरानी बेलों की काट-छांट के बाद जनवरी के अन्तिम सप्ताह में गोबर की खाद 75 कि.ग्रा. डालकर सिंचाई करें। परलेट किस्म को बावर प्रणाली में 45-50 शाखा प्रति बेल व 2-3 कलियों की संख्या प्रति फल शाखा काट-छांट के समय रखें।

आड़ू, अलूचा, नाशपाती, अनार और शहतूत: पौधों में कटाई-छंटाई का काम किसी वजह से पूरा नहीं कर सके हों तो फल आने से पहले इस महीने के पहले सप्ताह तक अवश्य कर लें और आड़ू के लिए 25 कि.ग्रा. गोबर की खाद, 560 ग्राम फास्फोरस और 600 ग्राम पोटाश डालकर सिंचाई करें।

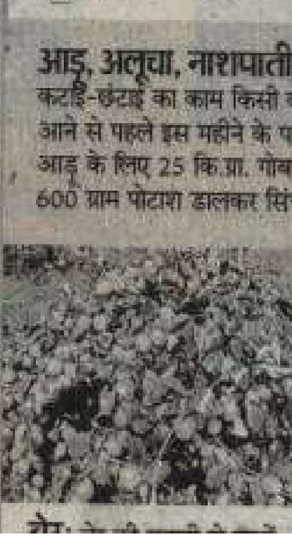

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा	11.01.2023	-------	-------

'कृषि और संबद्ध विज्ञान में उद्यमशीलता की संभावनाएं' विषय पर तीन सप्ताह के रिफ्रेशर कोर्स का हुआ शुभारंभ

हिसार (समस्त हरियाणा न्यूज)। नई शिक्षा नीति बेरोजगार युवाओं को उद्यमी बनाने पर खासतौर पर फोकस रहेगा इसके तहत विद्यार्थियों को न केवल शैक्षणिक व अनुसंधान कार्यों के योग्य बनाना है, अपितु उनके कौशल विकास करते हुए उद्यमिता के प्रति उनमें रूचि भी जगानी है इसके लिए पहले शिक्षकों को सफल उद्यमिता के नियमों को समझना होगा। यह विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने विश्वविद्यालय के कॉलेज ऑफ होम साइंस व मानव संसाधन प्रबंध निदेशालय के संयुक्त तत्वाधान में 'कृषि और संबद्ध विज्ञान में उद्यमशीलता की संभावनाएं' विषय पर आयोजित तीन सप्ताह अवधि के रिफ्रेशर कोर्स के उद्घाटन अवसर पर बतौर मुख्यातिथि बोलते हुए कहे। उन्होंने कहा कि उद्यमिता समय की मांग है और भविष्य में भी इस तरह के और पाठ्यक्रम आयोजित करने के लिए संकाय को प्रोत्साहित किया। यह पाठ्यक्रम कृषि और संबद्ध विज्ञान के दायरे में उद्यमशीलता की संभावनाओं का समग्र ज्ञान प्रदान करेगा । मानव संसाधन प्रबंध निदेशालय की निदेशक डॉ. मंजू मेहता ने अपने स्वागत अभिभाषण में कहा कि उद्यमशीलता कृषि और संबद्ध विज्ञानों में बुनी हुई है और युवा पीढ़ी को अधिक कल्पनाशील, अभिनव, सरल, सक्रिय, अग्रणी और संभावना उन्मुख बनाने की आकांक्षा रखता है। पाठ्यक्रम निदेशक डॉ संगीता चहल सिंधु ने पाठ्यक्रम के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि वर्तमान पाठ्यक्रम का उद्देश्य प्रतिभागियों को बुनियादी उद्यमशीलता का दृष्टिकोण प्रदान करना है । उन्होंने बताया कि इस 21 दिवसीय पाठ्यक्रम में हकृवि, जीजेयू, लुवास और निफ्टम सहित विभिन्न विश्वविद्यालयों के वक्ता शामिल होंगे। प्रतिभागियों को वास्तविक उद्यमियों के साथ बातचीत करने का अवसर भी मिलेगा और वे उनके अनुभवों से सीखेंगे। संयुक्त निदेशक, डॉ मंजू नागपाल मेहता ने धन्यवाद प्रस्ताव दिया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हिन्दुस्थान समाचार	11.01.2023	--------	--------

हिसार: नई शिक्षा नीति में बेरोजगार युवाओं को उद्यमी बनाने पर फोकस: कुलपति कम्बोज

11 Jan 2023 19:08:11

कृषि और संबद्ध विज्ञान में उद्यमशीलता की संभावनाएं कोर्स का शुभारंभ

हिसार, 11 जनवरी (हि.स.)। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज ने कहा है कि नई शिक्षा नीति बेरोजगार युवाओं को उद्यमी बनाने पर खासतौर पर फोकस रहेगा। इसके तहत विद्यार्थियों को न केवल शैक्षणिक व अनुसंधान कार्यों के योग्य बनाना है, अपितु उनके कौशल विकास करते हुए उद्यमिता के प्रति उनमें रुचि भी जगानी है। इसके लिए पहले शिक्षकों को सफल उद्यमिता के नियमों को समझाना होगा। कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज बुधवार को तीन सप्ताह अवधि के रिफ्रेशर कोर्स के शुभारंभ अवसर पर अपना संबोधन दे रहे थे।

उन्होंने कहा कि उद्यमिता समय की मांग है और भविष्य में भी इस तरह के और पाठ्यक्रम आयोजित करने के लिए संकाय को प्रोत्साहित किया जाए। यह पाठ्यक्रम कृषि और संबद्ध विज्ञान के दायरे में उद्यमशीलता की संभावनाओं का समग्र ज्ञान प्रदान करेगा। मानव संसाधन प्रबंध निदेशालय की निदेशक डॉ. मंजू मेहता ने अपने स्वागत अभिभाषण में कहा कि उद्यमशीलता कृषि और संबद्ध विज्ञानों में घुली हुई है और युवा पीढ़ी को अधिक कल्पनाशील, अभिनव, सरल, सक्रिय, अग्रणी और संभावना उन्मुख बनाने की आकांक्षा रखता है। पाठ्यक्रम निदेशक डॉ संगीता चहल सिंधु ने पाठ्यक्रम बारे बताया कि वर्तमान पाठ्यक्रम का उद्देश्य प्रतिभागियों को बुनियादी उद्यमशीलता का दृष्टिकोण प्रदान करना है। उन्होंने बताया कि इस 21 दिवसीय पाठ्यक्रम में हकृवि, जीजेयू, लुवास और निफ्टम सहित विभिन्न विश्वविद्यालयों के वक्ता शामिल होंगे। प्रतिभागियों को वास्तविक उद्यमियों के साथ बातचीत करने का अवसर भी मिलेगा और वे उनके अनुभवों से सीखेंगे।

हिन्दुस्थान समाचार/राजेश्वर/संजीव

11 Jan 2023
हिसार : थार्द

11 Jan 2023
हिसार : नशा
पुलिस ने दो कि
हिसार, 11 जन